ASTRO ARPITA NATH

12 भाव और उनके कारकत्व

Arpita Nath द्वारा · ज्योतिष आधार · 2026-07-11

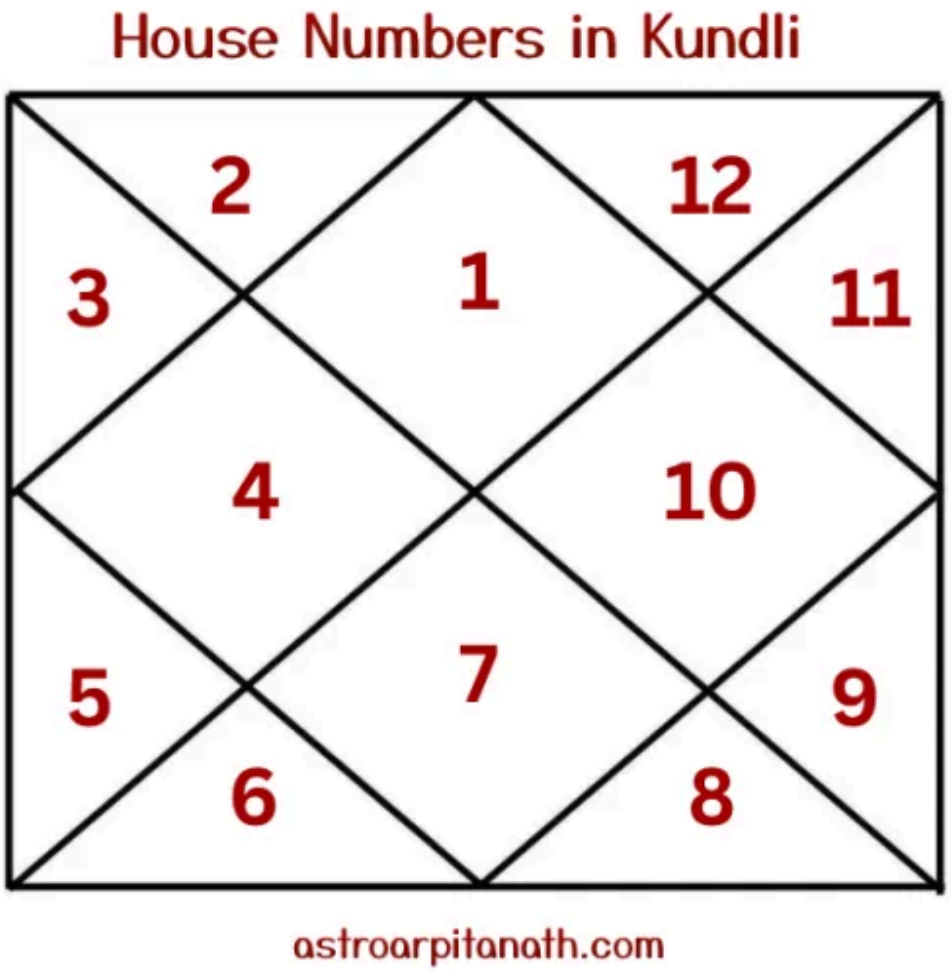

वैदिक ज्योतिष में, जन्म कुंडली को 12 घरों (जिन्हें भाव कहा जाता है) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाव मानव जीवन के एक विशिष्ट चरण का प्रतिनिधित्व करता है और आपके जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को नियंत्रित करता है - आपके भौतिक शरीर से लेकर आपकी आध्यात्मिक मुक्ति तक।

प्रथम भाव (लग्न भाव) — स्वयं का भाव

• **वैदिक नाम**: तनु भाव

• **प्रमुख विषय**: भौतिक शरीर, व्यक्तित्व और नई शुरुआत

• **प्रमुख विशेषताएं**: आपका समग्र स्वास्थ्य, शारीरिक रूप-रंग, जीवन शक्ति, स्वभाव, आत्म-छवि, बचपन, जीवन की सामान्य दिशा और वह दृष्टिकोण जिसके माध्यम से आप दुनिया को देखते हैं।

द्वितीय भाव — धन और परिवार का भाव

• **वैदिक नाम**: धन भाव

• **प्रमुख विषय**: संचित धन, वाणी और निकटतम परिवार

• **प्रमुख विशेषताएं**: व्यक्तिगत बचत, वित्तीय सुरक्षा, पारिवारिक वंश, प्रारंभिक परवरिश, आवाज़ और वाणी की गुणवत्ता, खान-पान की आदतें, संस्कार/मूल्य और चेहरा/आंखें।

तृतीय भाव — साहस और पराक्रम का भाव

• **वैदिक नाम**: सहज भाव

• **प्रमुख विषय**: इच्छाशक्ति, संचार और भाई-बहन

• **प्रमुख विशेषताएं**: व्यक्तिगत प्रयास, मानसिक दृढ़ता, साहस, छोटे भाई-बहन, छोटी यात्राएं, लेखन, मीडिया, हाथ/भुजाएं, शौक और अपने दम पर हासिल की गई सफलता।

चतुर्थ भाव — घर और हृदय का भाव

• **वैदिक नाम**: सुख भाव

• **प्रमुख विषय**: भावनात्मक शांति, माता और संपत्ति

• **प्रमुख विशेषताएं**: आंतरिक सुख, पारिवारिक जीवन, माता के साथ संबंध, अचल संपत्ति, वाहन, पैतृक जड़ें, घरेलू सुख-सुविधाएं और मन की शांति।

पंचम भाव — बुद्धि और प्रेम का भाव

• **वैदिक नाम**: पुत्र भाव

• **प्रमुख विषय**: संतान, रचनात्मकता और पूर्व जन्म के कर्म

• **प्रमुख विशेषताएं**: उच्च बुद्धि, रचनात्मक प्रतिभा, संतान, प्रेम संबंध, सट्टा निवेश, पूर्व जन्म के संचित पुण्य (पूर्व पुण्य) और विवेक।

षष्ठ भाव — बाधाओं पर विजय का भाव

• **वैदिक नाम**: अरि भाव

• **प्रमुख विषय**: स्वास्थ्य, दैनिक कार्य और प्रतिस्पर्धा

• **प्रमुख विशेषताएं**: रोग, ऋण, शत्रु, मुकदमेबाजी, दैनिक कार्यचर्या, दूसरों की सेवा, पालतू जानवर, दबाव में लचीलापन और जीवन की बाधाओं को पार करना।

सप्तम भाव — संबंधों का भाव

• **वैदिक नाम**: युवती भाव

• **प्रमुख विषय**: विवाह, जीवनसाथी और साझेदारी

• **प्रमुख विशेषताएं**: जीवनसाथी, वैवाहिक सुख, कानूनी अनुबंध, व्यावसायिक साझेदारी, सार्वजनिक संपर्क, ग्राहकों के साथ व्यवहार और घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध।

अष्टम भाव — परिवर्तन और रूपांतरण का भाव

• **वैदिक नाम**: रन्ध्र भाव

• **प्रमुख विषय**: दीर्घायु, रहस्य और अचानक होने वाली घटनाएं

• **प्रमुख विशेषताएं**: बिना कमाया हुआ धन (विरासत, कर, बीमा), अचानक लाभ या हानि, आयु, शोध, गूढ़ ज्ञान, विवाह में संयुक्त संपत्ति और गहरे मनोवैज्ञानिक बदलाव।

नवम भाव — भाग्य और ज्ञान का भाव

• **वैदिक नाम**: धर्म भाव

• **प्रमुख विषय**: उच्च मान्यताएं, पिता और भाग्य

• **प्रमुख विशेषताएं**: धर्म (कर्तव्यनिष्ठा), आध्यात्मिकता, उच्च शिक्षा, पिता या गुरु, लंबी दूरी की यात्रा, तीर्थयात्रा, सौभाग्य और दर्शन।

दशम भाव — करियर और प्रतिष्ठा का भाव

• **वैदिक नाम**: कर्म भाव

• **प्रमुख विषय**: व्यवसाय, सार्वजनिक छवि और पद-प्रतिष्ठा

• **प्रमुख विशेषताएं**: करियर का मार्ग, व्यावसायिक उपलब्धियां, सत्ता से जुड़े लोग, प्रसिद्धि, समाज में प्रतिष्ठा, सार्वजनिक कर्तव्य, नेतृत्व और दुनिया में किए गए कर्म।

एकादश भाव — लाभ और आकांक्षाओं का भाव

• **वैदिक नाम**: लाभ भाव

• **प्रमुख विषय**: आय, सामाजिक दायरा और लक्ष्य

• **प्रमुख विशेषताएं**: वित्तीय लाभ, निष्क्रिय आय, इच्छाओं की पूर्ति, बड़े भाई-बहन, बड़ा सामाजिक दायरा, व्यावसायिक नेटवर्क और दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाएं।

द्वादश भाव — मोक्ष और व्यय का भाव

• **वैदिक नाम**: व्यय भाव

• **प्रमुख विषय**: आध्यात्मिक मुक्ति, एकांत और विदेश

• **प्रमुख विशेषताएं**: अवचेतन मन, नींद, विदेश यात्रा/निवास, आध्यात्मिक मुक्ति (मोक्ष), धन का व्यय, त्याग, ध्यान और एकांत।

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।